सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 109 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार 25 मई, 2026

मूल्य ₹ 3/-

सबसे दुखद चीज जिसकी मैं कल्पना कर सकता हूं वो है विलासिता का आदी होना।
-चार्ली चैपलिन

दिल्ली कैपिटल्स ने जीत के साथ... 7 | ममता ने सरकार को घेरने के लिए... 3 | बिजली के दाम पर यूपी की जनता... 2

महंगाई का फिर प्रहार

पेट्रोल प्राइस 100 के पार

10 दिनों में यह चौथी बार है जब ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं।

2.61 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत बढ़ी।

2.71 रुपए प्रति लीटर डीजल में बढ़ोतरी हुई है।

पेट्रोल-डीजल के दाम में फिर बढ़ोत्तरी

» जनता बोली- कीमतों पर अब नियंत्रण होना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आज एक बार फिर बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। पेट्रोल की कीमत में 2.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है।

पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे आम जनता और खासकर मध्यम वर्ग की परेशानियां बढ़ गई हैं। कीमतों में बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल पंपों पर तेल भरवाने पहुंचे लोगों ने नाराजगी जताई है। लोगों का कहना है कि लगातार बढ़ती कीमतों का सीधा असर उनके बजट और रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने पीएम मोदी को महंगाई मैन बताते हुए सरकार पर जनता की जेब काटने का आरोप लगाया है।

समाजिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है असर

झज्जर से कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी को चिंता का विषय बताते हुए कहा है कि लगातार चौथी बार कीमतें बढ़ी हैं जिससे महंगाई और बढ़ रही है। बढ़ती कीमतों का सीधा असर किसानों और आम लोगों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि चंडीगढ़ में तय मात्रा में ईंधन देने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि खाने-पीने की चीजों से लेकर रेस्टोरेंट तक का खर्च बढ़ रहा है और इसका असर सामाजिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर लोगों द्वारा लगाए जाने वाले लंगर भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की मांग करते हुए कहा कि केवल साइकिल चलाकर प्रदर्शन करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। सरकार वर्क फ्रॉम होम की बात करती है लेकिन डिलीवरी और परिवहन से जुड़े लोग ऐसा नहीं कर सकते इसलिए सरकार को उनकी परेशानियों पर भी ध्यान देना चाहिए। रोहतक में आम आदमी पार्टी के नेता अनुराग ढांडा ने कहा है कि पिछले 10 दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में करीब 7.5 रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार हर दिन थोड़ी-थोड़ी बढ़ोतरी कर आम लोगों पर बोझ डाल रही है। अनुराग ढांडा ने कहा कि अगर यही सिलसिला जारी रहा तो पेट्रोल की कीमत 150 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच सकती है जिससे आम लोगों के लिए वाहन चलाना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बाइक चलाने वाले गरीब लोग पेट्रोल नहीं भरवा पाएंगे और ऑटो से लेकर ट्रक ड्राइवर तक सभी परेशान हैं। उनके मुताबिक बढ़ती ईंधन कीमतों का असर व्यापार और रोजमर्रा के खर्चों पर साफ दिखाई दे रहा है जिससे आम जनता की आर्थिक मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

कांग्रेस ने फिर पीएम मोदी को बताया महंगाई मैन

कांग्रेस ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा है कि महंगाई मैन मोदी ने पेट्रोल-डीजल 11 दिन में 8 रुपए महंगा कर दिया। आज फिर पेट्रोल पर 2.87 रुपए और डीजल पर 2.80 रुपए बढ़ा दिए गए हैं। 15 मई को पेट्रोल 3.29 रुपए, डीजल 3.11 रुपए। 19 मई को पेट्रोल 96 पैसे, डीजल 94 पैसे। 23 मई को पेट्रोल 94 पैसे, डीजल 95 पैसे और 25 मई को पेट्रोल 2.87 रुपए, डीजल 2.80 रुपए महंगा हुआ। कुल- पेट्रोल 8.06 रुपए, डीजल 7.80 रुपए अबतक महंगा हो चुका है। पार्टी ने कहा है कि अपने पूंजीपति दोस्तों को मालामाल करने के लिए पीएम मोदी जनता की जेब काटने में लगे हैं। लोग महंगाई में पिस रहे हैं परेशान हैं लेकिन महंगाई मैन की वसूली थमने का नाम नहीं ले रही।

जनता को स्लो पॉइजन दे रही है सरकार

आम आदमी पार्टी ने एक्स पर पोस्ट में करते हुए कहा है कि मोदी सरकार भारत की जनता को स्लो पॉइजन दे रही है। आज फिर पेट्रोल 2.61 रुपए और डीजल 2.71 रुपए प्रति लीटर महंगा कर दिया गया। पिछले 10 दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम 7.50 रुपए तक बढ़ चुके हैं। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का मतलब सिर्फ गाड़ी चलाना महंगा होना नहीं है, इसका असर राशन, सब्जी, दूध, खेती, ट्रांसपोर्ट और हर जरूरी चीज पर पड़ता है।

भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि तेल आयातक देशों में सबसे कम

मध्य पूर्व में जारी संकट का असर अब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी देखा जा रहा है। हालांकि, भारत में ईंधन के दाम में वृद्धि तेल आयातक देशों में सबसे कम बताई जा रही है। मध्य पूर्व में कच्चे तेल के निर्यात के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हॉर्मुज स्ट्रेट के 28 फरवरी से बंद रहने के कारण घरेलू तेल कंपनियों ने चार बार -15, 19, 23 और 25 मई को ईंधन की कीमतों में करीब 7.5 प्रतिशत का इजाफा किया है। वहीं बाकी दुनिया में ईंधन की कीमतों में 10 से लेकर 90 प्रतिशत तक की वृद्धि हो चुकी है। भारत में चार बार ईंधन की कीमत में हुई वृद्धि के चलते नई दिल्ली में पेट्रोल का दाम 7.35 रुपए प्रति लीटर बढ़कर 102.12 रुपए प्रति लीटर हो गया है जो कि पहले 94.77 रुपए प्रति लीटर था। वहीं डीजल का दाम 7.53 रुपए प्रति लीटर बढ़कर 95.20 रुपए प्रति लीटर हो गया है जो कि पहले 87.67 रुपए प्रति लीटर है। दुनिया की प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्था में पेट्रोल की खुदरा कीमत 150 रुपए प्रति लीटर से अधिक है और अधिकतर देशों में 180 रुपए प्रति लीटर से अधिक है यूरोपीय संघ के 27 देशों में औसत पेट्रोल की कीमत 179 रुपए और डीजल की कीमत 184 रुपए है। भारत के दो बड़े पड़ोसी देश पाकिस्तान और नेपाल में कम आय के बावजूद पेट्रोल की कीमत 135 रुपए प्रति लीटर से काफी ऊपर पहुंच गई है। श्रीलंका, म्यांमार और फिलीपींस में यह कीमत 130 रुपए प्रति लीटर से ऊपर है।

बढ़ रहा जनता में आक्रोश

पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने पहुंचे आदित्य श्रीवास्तव ने कहा कि कि कीमतें बढ़ने से हम पर असर पड़ रहा है। मुझे लगता है कि कीमतें अब बढ़ती ही रहेंगी। इस पर नियंत्रण होना जरूरी है वरना दिक्कतें खड़ी हो जाएंगी। कुछ हमें कंट्रोल करना होगा और कुछ सरकार को। एक अन्य व्यक्ति सुधाकर से जब हमने बड़ी कीमतों के बारे में प्रतिक्रिया ली तो उन्होंने कहा कि काम कम है और पेट्रोल महंगा होता जा रहा है। आमतौर पर हम रोज 200 रुपए का तेल भरवाते हैं लेकिन काम बहुत कम हो गया है क्योंकि ग्राहक उतने पैसे नहीं देते और कंपनियां भी रेट कम कर देती हैं। यह और महंगा होता जा रहा है और मध्यम वर्ग के लोग इससे बहुत परेशान हैं। पेट्रोल भराने आए एक और शख्स ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं जिसका आम आदमी पर सीधा असर पड़ रहा है। टैक्सी ड्राइवरों ने तो हाल ही में धरना भी दिया था। किराया तो बढ़ रहा है लेकिन कमाई नहीं बढ़ रही। इस महंगाई को नियंत्रित करने के लिए सरकार और संबंधित विभागों को तुरंत कुछ ठोस कदम उठाने पड़ेंगे। अभी तो हालात ऐसे हैं कि आगे और रेट बढ़ने वाले है। पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। इससे आम लोगों, यात्रियों और परिवहन क्षेत्र पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

सबंधित खबर पेज 8 पर

बिजली के दाम पर यूपी की जनता को भाजपा सरकार ने लूटा: अखिलेश यादव

बोले सपा प्रमुख- जो बिजली मिल रही है, वह सपा सरकार में लगाए गए बिजलीघरों से आ रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश में बिजली समस्या पर भाजपा की सरकार पर कड़े सवाल उठाते हुए उस पर करारा वार किया है। सपा प्रमुख ने कहा कि इस सरकार में सिर्फ लूट हुई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में बिजली संकट के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। भीषण गर्मी में अघोषित बिजली कटौती से जनता बेहाल है। भाजपा ने दस साल में बिजली के क्षेत्र में कोई काम नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने केवल बिजली का बिल बढ़ाकर जनता से लूट की है। आज प्रदेश में जो बिजली मिल रही है, वह सपा सरकार में लगाए गए बिजलीघरों से आ रही है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को प्रदेश कार्यालय पर आयोजित एक बैठक में भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश को गंभीर आर्थिक संकट में धकेल दिया है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गए हैं। भाजपा असत्य के रास्ते पर है। भाजपा ने पूरे उत्तर प्रदेश को अंधकार में धकेल दिया है। रोज-रोज पेट्रोल-डीजल को महंगा करने का क्या अर्थ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद आमजन का जीना दूभर हो गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने दो कार्यकाल में पीडीए समाज के साथ सबसे अधिक अन्याय किया है। लोक कल्याणकारी राज्य के लिए ईमानदार नेतृत्व आवश्यक है, जिसका भाजपा में अभाव है। भाजपा समाज में नफरत फैलाकर राजनीति करने का पाप कर रही है।

ललित किशोर तिवारी ने सपा प्रमुख से की मुलाकात

सपा पार्षद ललित किशोर तिवारी ने लंबी कानूनी लड़ाई के बाद लखनऊ के फैजुल्लागंज वार्ड-73 से विजयी घोषित होकर अपने पद की शपथ लेने के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी और सपा अध्यक्ष श्याम लाल पाल भी मौजूद रहे। इसके अलावा बहराइच के बलहा विधानसभा क्षेत्र से लखनऊ आए छात्रों के एक दल ने भी सपा अध्यक्ष से मुलाकात की। इनमें सचिन यादव, व शेखर यादव आदि मुख्य रूप से शामिलरहे।

सपा सरकार बनाने का लक्ष्य

अखिलेश यादव ने कहा कि 22 में समाजवादी पार्टी सरकार बनाने से चूक गई थी। 27 में कोई कसर नहीं छोड़नी है। उन्होंने शत-प्रतिशत सीटें जीतने का लक्ष्य रखा।

एसी और पीसी वाले नेता है अखिलेश यादव: राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और आम आदमी पार्टी के सैकड़ों पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सुभासपा की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सभी को सदस्यता दिलाई।

इस दौरान ओम प्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर उनकी पुरानी ऑटो चलाने वाली तस्वीर वायरल कर टिप्पणी करना सपा की संकीर्ण मानसिकता और गरीब विरोधी सोच को दर्शाता है। अखिलेश एसी व पीसी वाले नेता हैं। राजभर ने कहा कि वह मेहनतकश, मजदूर और संघर्षशील समाज से आते हैं और मेहनत करने में उन्हें गर्व महसूस होता है। कार्यक्रम में पूर्व लोकसभा प्रत्याशी एवं आम आदमी पार्टी के नेता सुनील गौतम, समाजवादी पार्टी के संजय तिवारी और रवि विश्वकर्मा, घोसी लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी व पूर्व ब्लॉक प्रमुख अक्षय राजभर, समाजसेवी रामदेव वर्मा और महिला समाजसेवी विजय लक्ष्मी समेत बड़ी संख्या में नेताओं ने अपने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ली। इसके अलावा बाराबंकी, लखनऊ, अयोध्या, कानपुर देहात, वाराणसी, संतकबीरनगर, रायबरेली, इटावा और अमेठी समेत कई जिलों से पहुंचे नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी सुभासपा का दामन थामा।

अब सिर्फ जरूरी काम पर ही खर्च हो बजट: उमर

» जम्मू-कश्मीर सरकार का बड़ा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने वित्तीय अनुशासन को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर खर्च नियंत्रण उपाय लागू किए हैं। सीएम उमर अब्दुल्ला ने ये निर्णय लिया है। इसके तहत सरकारी कार्यक्रमों, विदेशी यात्राओं, नए वाहनों की खरीद, नई पदों के सृजन और कार्यालय किराए पर लेने जैसी गतिविधियों पर कड़ी पाबंदियां लगा दी गई हैं।

वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश में सभी विभागों को तुरंत प्रभाव से इन नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने कहा है कि सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम बेहद जरूरी होने पर ही आयोजित किए जाएं और जहां संभव हो वहां वर्चुअल माध्यम का उपयोग किया जाए। निजी होटलों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। सरकारी भवनों और उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नई गाड़ियों की खरीद पर भी रोक लगाई गई है और केवल अत्यावश्यक मामलों में ही वित्त विभाग की मंजूरी से अनुमति दी जाएगी।

आदेश में विदेशी यात्राओं पर भी सख्त प्रतिबंध लगाया गया है और सभी बैठकों व समीक्षा कार्यों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को प्राथमिकता देने को कहा गया है। इसके अलावा, सरकारी कार्यालयों में अनावश्यक बिजली, वाहन और ईंधन उपयोग को कम करने, डिजिटल प्रणाली अपनाने और कागजी कामकाज घटाने पर जोर दिया गया है।

बसपा ने कार्यकर्ताओं को कमर कसने को कहा

» राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने की समीक्षा

» आंकाश आंनद ने भी बैठक में लिया हिस्सा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने संगठन की राज्यस्तरीय बैठक में कार्यकर्ताओं को आगामी विधान सभा चुनाव के संबंध में टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता अभी से मेहनत में जुट जाएं और 27 विस चुनाव में बसपा को जीत दिलाएं। इस अवसर पर उनके भाई आंनद कुमार व भतीजे आकाश आंनद भी मौजूद रहे।

बसपा ने हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में तामिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में किस्मत आजमाई थी, लेकिन तीनों राज्यों में उसका वोट बैंक घटकर आधा रह गया। इन राज्यों की जिम्मेदारी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के पास थी। आकाश को केवल चंद जनसभाएं करने भेजा गया था। इसके बाद यूपी चुनाव के मद्देनजर आकाश की लगातार मांग हो रही है। बसपा सुप्रीमो ने आकाश को देश भर में संगठन के विस्तार की जिम्मेदारी दी है। यूपी और उत्तराखंड में बसपा का खासा जनाधार है जो आकाश की सियासी सफलता की वजह बन सकता है। इसके बावजूद बसपा सुप्रीमो ने बैठक में यूपी चुनाव में आकाश की भूमिका पर कुछ नहीं कहा। उनके मई में प्रस्तावित चुनाव प्रचार अभियान का आगाज भी मायावती को करना था, इस बारे में भी उन्होंने चुप्पी साधे रखी।

मायावती का संदेश लिखी होर्डिंग पर सबकी नजर

वहीं समीक्षा बैठक के दौरान बसपा कार्यालय के बाहर लगी एक होर्डिंग की खासी चर्चा रही। इस पर मायावती का संदेश लिखा था, जिस समाज का इतिहास नहीं होता है, वह समाज कभी शासक नहीं बन पाता है। इतिहास से प्रेरणा मिलती है, प्रेरणा से जागृति आती है, जागृति से सोच बनती है, सोच से ताकत बनती है, ताकत से शक्ति बनती है और शक्ति से शासक बनता है।

बता दें बसपा की समीक्षा बैठक में आकाश आनंद की वापसी की खूब चर्चा रही। वह मायावती के साथ बैठक में पहुंचे और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया, लेकिन यूपी की राजनीति में उनकी जिम्मेदारी को लेकर मायावती ने कुछ नहीं कहा। इससे यूपी में फिलहाल आकाश की वापसी के आसार नहीं दिख रहे हैं। वहीं, पार्टी के खराब प्रदर्शन के बीच अब बसपा के भीतर युवाओं को आगे लाने की मांग तेज हो रही है। बैठक में आकाश के साथ उनके पिता आनंद कुमार भी आए थे।

बामुलाहिज़ा

कार्टून: हसन जैदी

एआई-जनरेटेड वीडियों से हो रहा है दुष्प्रचार: अजय राय

» कांग्रेस अध्यक्ष ने सभी आरोपों को नकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ पीएम मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी के आरोप में महोबा में एफआईआर दर्ज की गई है, जिसके जवाब में राय ने वीडियो को एआई-जनरेटेड बताते हुए आरोपों का खंडन किया है।

राय ने कहा कि वह एक स्थानीय आपराधिक मामले में न्याय की मांग कर रहे थे और ऐसे आरोपों से डरेंगे नहीं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे

एआई-जनरेटेड वीडियो के परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोपों को खारिज कर दिया। यह विवाद महोबा जिले में राय के खिलाफ बीएनएस अधिनियम की कई धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर के बाद सामने आया है। अधिकारियों ने 22 मई को वायरल हुए एक वीडियो के बाद कार्रवाई की, जिसमें राय को एक सभा का नेतृत्व करते हुए दिखाया गया था, जिसने कथित तौर पर सरकारी कामकाज में बाधा डाली और एक सार्वजनिक सड़क को अवरुद्ध कर दिया। सहायक पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने कहा कि 22 मई को सोशल मीडिया के माध्यम से हमें एक वीडियो मिला, जिसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अपने समर्थकों के साथ गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होकर सरकारी कामकाज में बाधा डाल रहे हैं और उन्होंने एक सार्वजनिक सड़क भी अवरुद्ध कर दी है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां भी कीं। महोबा स्थित कोतवाली पुलिस स्टेशन में शिकायत प्राप्त हुई और कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। कार्रवाई की जा रही है। अपनाई गई राजनीतिक बयानबाजी की आलोचना करने वाले अधिवक्ता नीरज रावत की औपचारिक शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की गई। इसमें कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान सचिव बृजराज अहिरवार सहित 25 से 30 समर्थकों के नाम शामिल हैं। आरोपों का जवाब देते हुए राय ने कहा कि महोबा की उस दलित लड़की को न्याय मिलना चाहिए। मेरे खिलाफ 10 नहीं, 10 मामले दर्ज कीजिए। हम पीछे नहीं हटेंगे।

एकबार फिर जोश में आई टीएमसी

ममता ने सरकार को घेरने के लिए बनाई रणनीति

» भाजपा सरकार के फैसलों के खिलाफ सड़क पर

» हुमायु कबीर ने भी सीएम सुवेंदु को दी चेतावनी

» वार्डवार वोटों के आंकड़े आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा की नई सरकार बने एक पखवाड़ा होने को हैं। सीएम सुवेंदु सरकार ने ताबड़तोड़ फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। वहीं प्रमुख विपक्षी दल टीएमसी हार से उबर कर आक्रामक रुख में आने लगी है। भाजपा सरकार के कुछ फैसलों खासकर बुलडोजर के खिलाफ गुरुवार को पूरे प्रदेश में जोरदार प्रदर्शक किया। उधर उन्नयन पार्टी के अध्यक्ष हुमायु कबीर ने सीएम को चेतावनी दी है कि कुर्बानी पर वह ऊंट, बकरी सब काटेंगे।

उधर विधानसभा चुनाव हारने के बाद, तृणमूल कांग्रेस ने नई भाजपा सरकार की बुलडोजर संस्कृति के खिलाफ 21 मई को विरोध प्रदर्शन किया। टीएमसी ने फेरीवालों और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया गया। टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने इसे संवैधानिक मूल्यों पर हमला बताया है, जबकि पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भाजपा के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखने की बात कही है। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) ने पश्चिम बंगाल में नवगठित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा फेरीवालों के जबरन निष्कासन और कथित तौर पर लागू की गई बुलडोजर संस्कृति के खिलाफ कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। हावड़ा स्टेशन, सियालदह स्टेशन और बालीगंज के पास विरोध प्रदर्शन निर्धारित रहा, जिनमें पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के भाग लिया। वहीं अपने ही वार्ड में ममता हारी हैं। यहाँ उन्होंने सीट के 267 बूथों में से 2007 में बढ़त बनाई और वार्ड नंबर 73 में भी ममता बनर्जी को हरा दिया यही वह वार्ड है जहाँ उनका कालीघाट वाला घर है। इस वार्ड में सुवेंदु को 8,932 वोट मिले, जबकि ममता को सिर्फ 4,284 वोट ही मिल पाए।

अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाया जा रहा है : ममता

यह घोषणा पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद बढ़ते राजनीतिक तनाव के मद्देनजर की गई है। इन चुनावों में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत किया, जबकि टीएमसी को 80 सीटें मिलीं। कालीघाट में पार्टी विधायकों के साथ बैठक में टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि यहां अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाया जा रहा है। फेरीवालों के स्टॉल तोड़े जा रहे हैं। यह सरकार हमारे संवैधानिक विचारों और मूल्यों के साथ छेड़छाड़ कर रही है। आने वाले दिनों में भाजपा को दिल्ली की सत्ता से बेदखल कर दिया जाएगा।

ममता के ही वार्ड में सुवेंदु ने मारी बाजी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक ऐसा ऐतिहासिक और अभूतपूर्व उलटफेर देखने को मिला है, जिसने राज्य के सियासी समीकरणों को पूरी तरह हिलाकर रख दिया है। चुनाव आयोग द्वारा जारी बूथ-वार नतीजों के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने न सिर्फ भवानीपुर विधानसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को मात दी है, बल्कि उन्हें उनके अपने ही घरेलू वार्ड में भी करारी शिकस्त दी है। इस जीत के साथ ही सुवेंदु अधिकारी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस चुनावी संकल्प को पूरा कर दिखाया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ममता को उनके अपने ही गढ़ में जाकर हराना है। आपकी चुनाव आयोग के ताजा बूथ-वार आंकड़ों से भवानीपुर में सुवेंदु अधिकारी की जबरदस्त जीत का पता चलता है। यहाँ उन्होंने सीट के 267 बूथों में से 207 में बढ़त बनाई और वार्ड नंबर 73 में भी ममता बनर्जी को हरा दिया—यही वह वार्ड है जहाँ उनका कालीघाट वाला घर है। इस वार्ड में सुवेंदु को 8,932 वोट मिले, जबकि ममता को सिर्फ 4,284 वोट ही मिल पाए।

भाजपा के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगी : अभिषेक बनर्जी

इस बीच, टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने चुनाव में हार के बावजूद भाजपा के खिलाफ अपनी राजनीतिक लड़ाई जारी रखने की पुष्टि की। पार्टी विधायकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे जो चाहें करें, मेरा घर गिरा दें, नोटिस भेजें, मैं इन बातों से नहीं झुकूंगा। चाहे कुछ भी हो जाए, भाजपा के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी

रहेगी। अभिषेक बनर्जी के खिलाफ बिधाननगर उत्तर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें उन पर चुनावी रैलियों के दौरान भड़काऊ बयान देने का आरोप है। शिकायतकर्ता राजीव सरकार द्वारा 15 मई को दर्ज कराई गई एफआईआर में दावा किया गया है कि बनर्जी ने महेशतला, आरामबाग, हरिंघाटा और नंदीग्राम में भड़काऊ और धमकी भरे भाषण दिए, जिससे हिंसा भड़कने और सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है।

नगरपालिका नोटिस पर भड़की टीमएसी

तृणमूल कांग्रेस ने सांसद अभिषेक बनर्जी को भेजे गए कथित नगरपालिका नोटिस को पूरी तरह झूठा, मनगढ़ंत और निराधार बताया है, जिस पर भाजपा द्वारा अनौपचारिक रूप से मीडिया कवरेज लीक करने का आरोप लगाया गया है। टीएमसी ने मीडिया से उक्त नोटिस में उल्लिखित पतों पर जाकर तथ्यों की पुष्टि करने का आग्रह किया है, जबकि फर्जी रिपोर्टिंग पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। तृणमूल कांग्रेस ने उन खबरों पर प्रतिक्रिया दी है जिनमें कहा गया है कि पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी को कोलकाता नगर निगम (केएमसी) से पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे से कथित तौर पर जुड़ी कई संपत्तियों के संबंध में नोटिस मिला है। टीएमसी के अनुसार यह नोटिस पूरी तरह से झूठा, मनगढ़ंत और निराधार है। टीएमसी के एक बयान में कहा गया है कि हमें केएमसी के एक नोटिस से संबंधित मीडिया कवरेज और पोस्ट मिले हैं, जिसे भाजपा ने 'अनौपचारिक रूप से' लीक किया है। इसमें आगे कहा गया है कि इसमें एआईटीसी के राष्ट्रीय महासचिव और माननीय सांसद अभिषेक बनर्जी से कथित तौर पर जुड़ी कई संपत्तियों का जिक्र है, साथ ही अन्य नेताओं को भी इस मामले से जोड़ने का प्रयास किया गया है। पिछले कुछ दिनों से जारी यह नोटिस और मीडिया कवरेज पूरी तरह से झूठा, मनगढ़ंत और निराधार है। टीएमसी के बयान में पत्रकारों से, जिनमें नैतिकता और समझ की बुनियादी समझ है, भाजपा द्वारा फैलाई जा रही अफवाहों को आगे बढ़ाने के बजाय, उक्त नोटिस में उल्लिखित पतों पर जाकर तथ्यों की पुष्टि करने का आग्रह किया गया है।

सुवेंदु अधिकारी को 63 प्रतिशत वोट मिले

सुवेंदु अधिकारी, जो ममता बनर्जी के कालीघाट वाले घर से लगभग 150 किलोमीटर दूर कांथी के रहने वाले हैं, उनका दक्षिण कोलकाता की इस सीट पर पहले से कोई राजनीतिक आधार या सांगठनिक पकड़ नहीं थी। इसके बावजूद, उन्होंने ममता के अपने ही वार्ड में उनसे दोगुने से भी ज्यादा वोट हासिल कर लिए। जहाँ सुवेंदु अधिकारी को 63 प्रतिशत वोट मिले, वहीं ममता बनर्जी को सिर्फ 30 प्रतिशत वोटों से ही संतोष करना पड़ा। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह थी कि भवानीपुर में सुवेंदु की जीत का अंतर कितना ज्यादा था; यहाँ कई ऐसे वार्ड भी थे जहाँ ममता 50 वोट भी हासिल नहीं कर पाईं। भवानीपुर के हर बूथ पर लगभग 400 से 700 वोटर थे। फिर भी, बूथ नंबर 14 पर ममता बनर्जी को सिर्फ 43 वोट मिले, बूथ नंबर 16 पर 42, बूथ नंबर 20 पर 41, बूथ नंबर 24 पर 45, बूथ नंबर 77 पर 40, बूथ नंबर 89 पर 41, और बूथ नंबर 105 पर सिर्फ 31 वोट मिले। उन्हें बूथ नंबर 149 पर 44 वोट, बूथ नंबर 158 पर 46, बूथ नंबर 176 पर 29, बूथ नंबर 242 पर 40, बूथ नंबर 249 पर 28, और बूथ नंबर 263 पर 30 वोट मिले।

मीडिया मनगढ़ंत खबरों और कहानियों को बढ़ावा देने के बजाय संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का परिचय दे

चेतावनी दी गई है कि हम मीडिया जगत से आग्रह करते हैं कि वे ऐसी मनगढ़ंत खबरों और कहानियों को बढ़ावा देने के बजाय संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का परिचय दें। किसी भी प्रकार की झूठी रिपोर्टिंग या भ्रामक पोस्ट पर सक्षम न्यायालय में कानून के प्रावधानों के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। यह चेतावनी उन खबरों के बाद आई है जिनमें कहा गया है कि टीएमसी द्वारा संचालित केएमसी ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी से जुड़ी कई संपत्तियों को नोटिस जारी कर अनुमोदित भवन योजनाओं और संबंधित दस्तावेजों की जांच की मांग की है। बनर्जी, उनके परिवार के सदस्यों और एक कंपनी के स्वामित्व वाली या उनसे जुड़ी 17 से 21 संपत्तियों के संबंध में नोटिस भेजे गए हैं, ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि इन स्थलों पर निर्माण निगम द्वारा अनुमोदित स्वीकृत योजनाओं के अनुरूप है या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, जांच के दायरे में आने वाली संपत्तियों में 188ए हरीश मुखर्जी रोड स्थित अभिषेक बनर्जी का आवास, कालीघाट रोड पर स्थित एक निकटवर्ती इमारत और प्रेमेंद्र मित्रा सरानी, पंडितिया रोड और उस्ताद आमिर खान सरानी जैसे स्थानों पर स्थित कई अन्य परिसर शामिल हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रकृति का संतुलन बिगड़ा आएगा विनाशकारी मौसम

> भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में लू से लेकर भीषण लू चलने की चेतावनी जारी की है। इस बीच तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी जारी है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस जानलेवा गर्मी के पीछे वैश्विक कारकों के साथ-साथ कई स्थानीय कारण भी जिम्मेदार हैं-लंबे समय से सूखा मौसम और आसमान में बादलों की कमी के कारण धूप सीधे और तीखी पड़ रही है।

जिस तरह से गर्मी बढ़ रही है। उससे देश सुखे के आसार बन सकते है। वैज्ञानिकों मानमा है भारत में सुपर एल-नीनो के प्रभाव से कहीं भीषण गर्मी के साथ सूखा तो कहीं बाढ़ भी आ सकता है। यह सुपर अल नीनो 150 साल पहले आई घटना से भी अधिक विनाशकारी होगा। देश के अधिकांश हिस्सों में पारा 45 से 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। आने वाले दिनों में इस भीषण गर्मी और लू से राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। भारत के एक बड़े हिस्से में भीषण गर्मी का खतरा बना हुआ है, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में लू से लेकर भीषण लू चलने की चेतावनी जारी की है। इस बीच तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी जारी है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस जानलेवा गर्मी के पीछे वैश्विक कारकों के साथ-साथ कई स्थानीय कारण भी जिम्मेदार हैं-लंबे समय से सूखा मौसम और आसमान में बादलों की कमी के कारण धूप सीधे और तीखी पड़ रही है।

शहरों में कंक्रीट का जाल, घनी आबादी, वाहनों का धुआं, एयर कंडीशनर (एसी) से निकलने वाली गर्मी और फैक्ट्रियों के कारण शहर कंक्रीट के तपते हुए द्वीप बन चुके हैं, जहाँ ग्रामीण इलाकों की तुलना में तापमान कई गुना ज्यादा दर्ज किया जा रहा है। दरअसल, वैज्ञानिकों की मानें तो भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में एक शक्तिशाली सुपर एल-नीनो आकार ले रहा है, जो 1877 के बाद की सबसे विनाशकारी मौसम संबंधी घटना साबित हो सकता है। इसका सीधा असर भारत पर भी देखने को मिलेगा, क्योंकि एल-नीनो भारत की लाइफलाइन कहे जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को भी प्रभावित करने वाला है। एल-नीनो एक मौसम संबंधी प्राकृतिक जलवायु घटना है, यह घटना पूर्वी प्रशांत सागर में समुद्र का तापमान सामान्य से अधिक होने पर बनती है। एल-नीनो के असर से पूर्वी प्रशांत महासागर की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। इस गर्मी से वैश्विक पवन पैटर्न कमजोर या परिवर्तित हो जाते हैं, जिससे एक श्रृंखला प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है जो दुनिया भर की मौसम प्रणालियों को बाधित करती है। चेतना पड़ेगा नहीं तो गर्मी का कहर सब नष्ट कर देगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

युवा मन की पीड़ा व आक्रोश को समझें

विश्वनाथ सचदेव

पिछले कुछ दिनों से अचानक कॉकरोच यानी तिलचट्टा देश में चर्चा का विषय बन गया है। नहीं, कॉकरोच ने कुछ नया नहीं किया है। हुआ यह है कि देश की सर्वोच्च अदालत के मुखिया ने एक मामले की सुनवाई के दौरान अपनी अलिखित टिप्पणी में कॉकरोच का नाम लेकर कुछ ऐसा कह दिया कि देशभर में चर्चा चल पड़ी है। मामला एक वकील द्वारा 'वरिष्ठ वकील' कहलाये जाने की मांग को उठाये जाने का था। उसकी मांग को अनुचित बताते हुए मुख्य न्यायाधीश महोदय ने उस जैसे वकीलों की तुलना कॉकरोच से कर दी। उन्होंने कहा, कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट आदि बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। स्पष्ट है उन्हें वह वकील महोदय भी सिस्टम पर हमला करने वाले लगे होंगे। मुख्य न्यायाधीश तो यह टिप्पणी करके चुप हो गये थे, पर इस टिप्पणी को लेकर देश बोलने लगा।

बेरोजगारों, एक्टिविस्टों, मीडिया कर्मियों, ने मुख्य न्यायाधीश की इस टिप्पणी को अनुचित ही नहीं, शर्मनाक भी बताया। सचमुच, यह समझना आसान नहीं है कि देश के सर्वोच्च पदों में से एक पर बैठने वाला व्यक्ति देश के युवाओं की तुलना कॉकरोच जैसे जीव कैसे कर सकता है! बात जब बढ़ने लगी तो न्यायाधीश महोदय ने अपना स्पष्टीकरण देते हुए यह कहा कि उनकी बात को अनुचित रूप से सामने रखा जा रहा है, उनका मुख्य निशाना तो उन लोगों पर था जो फर्जी डिग्रियों से कानूनी पेशे में आ जाते हैं और सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। जहां तक भारत के युवाओं का सवाल है, उन्हें तो वह 'विकसित भारत का स्तंभ' मानते हैं। मुख्य न्यायाधीश महोदय ने अपने स्पष्टीकरण में यह भी कहा कि उन्हें 'युवाओं की वर्तमान और भविष्य की क्षमता पर गर्व है'। होना तो यह चाहिए था कि इस स्पष्टीकरण के बाद विवाद यहीं समाप्त हो जाता, पर हुआ नहीं। मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं, एक्टिविस्टों, मीडिया कर्मियों की तुलना कॉकरोच से किया जाना लोगों को रास नहीं आ रहा।

मुख्य न्यायाधीश ने सिर्फ कॉकरोच ही नहीं कहा, उनके लिए 'परजीवी' शब्द का इस्तेमाल भी किया। यदि यह विशेषण युवा भारत को आहत कर रहा है तो इसे गलत नहीं कहा जा सकता। मुख्य न्यायाधीश चाहते तो कॉकरोच या परजीवी जैसे शब्दों के अनुचित उपयोग पर क्षमा मांग सकते थे। क्षमता नहीं मांगते तो कम से कम खेद तो व्यक्त कर ही सकते थे। उनका ऐसा करना एक उदाहरण होता उन सबके लिए जो सार्वजनिक व्यवहार में इस तरह के शब्द अक्सर बोल जाते हैं। सवाल शब्दों का ही नहीं है, इनके पीछे की मानसिकता का है। देश के युवाओं को कॉकरोच या परजीवी कहने की इस मानसिकता को समझना ज़रूरी है। कथित ग़लत काम करने के लिए किसी को सांप या बिच्छू भी कहा जा सकता था। पर जाने-अनजाने मुख्य न्यायाधीश महोदय ने कॉकरोच शब्द का इस्तेमाल किया। कॉकरोच शब्द अपने आप में एक लंबी कहानी और प्रवृत्ति को उजागर करता है। आज जिसे हम कॉकरोच कहते हैं, उसका जन्म शायद जुरासिक काल में हुआ था- आज से 320 मिलियन साल पूर्व। यह शायद अकेला जीव है जो तीन करोड़ सालों से अधिक समय से धरती पर है और कहते हैं इसका अस्तित्व कभी समाप्त भी नहीं होगा। न्यूक्लियर युद्ध के बाद भी कॉकरोच के धरती पर बने रहने की बात भी वैज्ञानिक कहते रहते हैं! महान जर्मन कथाकार फ्रांज काफ्का की कहानी 'दि मेटामार्फोसिस' में कॉकरोच का सीधा वर्णन तो नहीं किया गया, पर कहानी का मुख्य पात्र ग्रेगर सामसा एक खतरनाक कीड़े में बदल जाता है। काफ्का ने इसके लिए एक जर्मन शब्द 'अनजेसिफर' का इस्तेमाल किया है, इसका अर्थ 'गंदा कीड़ा' या 'बीमारी फैलाने वाला जीव' होता है। वस्तुतः कहानी में एक जीव का इस कीड़े के रूप में कायांतरण होता है। जिसकी मृत्यु उसके परिवार के लिए

महत्वहीन होने की अनुभूति थी। आप चाहें तो इस 'अनजेसिफर' को घृणा करने योग्य कीड़े के रूप में देख सकते हैं; जो लिजलिजा है; जो गंदे गीले माहौल में पलता है; जो परजीवी है- और जो किसी काम का नहीं रहा है। जब हम किसी को कॉकरोच या तिलचट्टा कहते हैं तो वस्तुतः हम उसे एक ऐसे जीव के रूप में देख रहे होते हैं जो किसी काम का नहीं है, जो अंधेरे में जीता है, जो छिपकर वार करता है, जो परजीवी है!

आज यदि देश के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कहे जाने पर आपत्ति है तो उसके पीछे उस मानसिकता के नकार की प्रवृत्ति है जो परजीवी को एक गाली के रूप में देखती है। सांप-बिच्छू जैसे जीवों के विपरीत कॉकरोच को छिपे हुए संक्रमण और उपेक्षित जगहों पर रहने से जोड़ा जाता है। उसका लिजलिजापन एक अजीब-सी अनुभूति उत्पन्न करता है।

नई वैश्विक शक्ति की धुरी बनता चीन

पुष्परंजन

चीन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 25वीं यात्रा के लिए 'रेड कार्पेट' बिछाया है। यह राष्ट्राध्यक्षों के बीच कूटनीति की उस आवृत्ति को रेखांकित करता है, जो अमेरिका के साथ उसके संबंधों से कहीं ज्यादा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा के कुछ ही दिनों बाद इस यात्रा का मुख्य मकसद कुछ जोखिमों को संभालना था। इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए, और आपसी सहयोग को और गहरा करने का संकल्प लिया। ट्रंप के बाद पुतिन का आना अंतर्राष्ट्रीय राजनय के नुक्ते-नजर से चीन की दो बड़ी ताकतों के साथ संबंधों को संभालने की क्षमता को उजागर किया है। क्या पुतिन और ट्रंप की यात्राएं चीन के साथ 'त्रिपक्षीय समन्वय' का रास्ता खोल सकती हैं? लेकिन सवाल है, भारत ऐसी गठजोड़ से क्यों दूर होता चला गया है? पिछले हफ्ते, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन पहुंचे थे।

उनका मकसद वैसी ही जबरदस्त व्यापारिक डील्स पक्की करना था, जिनकी वकालत उन्होंने नौ साल पहले की थी-इन डील्स में सोयाबीन से लेकर विमान और ऊर्जा तक, सब कुछ शामिल था। पुतिन भी चीन में एक 'गंभीर' किस्म की नई ऊर्जा डील के लिए जोर लगा रहे हैं। बुधवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के शिखर सम्मेलन के बाद जारी एक संयुक्त बयान में, दोनों देशों ने अमेरिका पर आरोप लगाया, कि वह अपनी 'गोल्डन डोम' परियोजना के जरिए 'रणनीतिक स्थिरता के लिए एक स्पष्ट खतरा' पैदा कर रहा है। 'गोल्डन डोम' अमेरिका की एक महत्वाकांक्षी और बहु-स्तरीय मिसाइल रक्षा प्रणाली है, जिसे अमेरिकी क्षेत्र को बैलिस्टिक, हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलों से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है। इन सालों में, उनके आपसी तालमेल की पहचान सिर्फ शिखर सम्मेलनों और राजकीय दौरों से ही नहीं, बल्कि खाने-पीने, जन्मदिन मनाने, खेल आयोजनों, नाव की सवारी और झील के किनारे चाय पीने जैसे बेहद निजी रिवाजों की बढ़ती हुई सूची से भी बनी है।

बड़ी सावधानी से बनाई गई दोस्ती मंगल और बुध को फिर से सुर्खियों में आई। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। शी और पुतिन के बीच यह प्रगाढ़ सम्बन्ध रातों-रात नहीं बने। इस भरोसे को जीतने में काफी वक्त लगा है। 2013 में आधिकारिक तौर पर पद संभालने के बाद से, शी पुतिन से 40 से ज्यादा बार मिल चुके हैं, जो पश्चिमी नेताओं के साथ उनकी मुलाकातों से कहीं ज्यादा है। जब अक्टूबर, 13 को बाली में एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन पुतिन के 61वें जन्मदिन के साथ पड़ा, तो शी ने उन्हें एक केक दिया, दोनों नेताओं ने सॉसेज और वोडका के साथ मिलकर जश्न मनाया। जून, 18 में चीन की पुतिन की राजकीय यात्रा की एक खास बात यह थी कि रूसी नेता ने थियानचिन के मशहूर 'चियान पिंग कुओजी' (तले हुए आटे की डंडियों में लिपटे पैनकेक) बनाने में अपना हाथ आजमाया, जिसे अपने मेजबान को परोसा।

लगभग तीन महीने बाद, सितंबर 18 में, दोनों नेताओं ने एक बार फिर अपने खाना पकाने के हुनर का प्रदर्शन किया- इस बार रूस में। उन्होंने कुछ पारंपरिक रूसी पैनकेक बनाए, जिन्हें 'ब्लिनी' कहा जाता है, उन्होंने इन पैनकेक के ऊपर 'कैवियार' (मछली के अंडे) डाले और साथ में 'वोदका शॉट्स' का भी आनंद लिया। पुतिन पर जिस पैमाने पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध लगे हैं, वह अलग-थलग पड़ गए दिखते हैं, और उन पर पश्चिमी देशों द्वारा युद्ध अपराधों के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह पहली बार ऐसा भी होगा, जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अन्य चार स्थायी सदस्यों के नेताओं ने, महज छह महीने के भीतर चीन का दौरा किया होगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 3 से 5 दिसंबर, 25 तक चीन की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा की थी, जिसके बाद जनवरी में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर वहां पहुंचे थे। 20 मई को, बीजिंग में चीन-रूस रिश्तों के विकास में एक और अहम पल देखने को मिला। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में दौरे पर आए रूसी राष्ट्रपति पुतिन से बातचीत की, जिसमें दोनों पक्ष चीन-रूस ट्रीटी ऑफ गुड-नेबरलिनेस एंड फ्रेंडली कोऑपरेशन को और बढ़ाने पर सहमत हुए।

बातचीत के बाद राष्ट्रपति पुतिन के साथ एक ज्वाइंट प्रेस मीटिंग में, राष्ट्रपति शी ने चीन-रूस रिश्तों के चार पहलुओं में बेहतर क्वालिटी के विकास को बढ़ावा देने की कोशिशों की बात कही पहला, शी ने बेहतर क्वालिटी के राजनीतिक आपसी भरोसे को मज़बूत करने और एक-दूसरे के लिए स्ट्रेटेजिक सपोर्ट को मजबूत करने की कोशिशों की बात कही; दूसरा, शी ने चीन और रूस को बेहतर क्वालिटी के आपसी फायदे वाले सहयोग को मजबूत करने और मिलकर अपने-अपने विकास और फिर से जिंदा होने को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया, तीसरा, शी ने बेहतर क्वालिटी के लोगों के बीच लेन-देन को बढ़ावा देने और दोनों लोगों के बीच पीढ़ियों तक चलने वाली दोस्ती की नींव को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया; और चौथा, शी ने चीन और रूस से बेहतर क्वालिटी के इंटरनेशनल तालमेल को आगे बढ़ाने और ग्लोबल गवर्नेंस में सुधार और उसे बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करने की बात कही। ये चार पहलू साफ़ तौर पर चीन-रूस रिश्तों के बेहतर विकास के लिए एक नई शुरुआत का रास्ता दिखाते हैं।

बड़े मंगल पर करें इन हनुमान मंदिरों के दर्शन

ज्येष्ठ माह के मंगलवार को बड़ा मंगल मनाया जाता है। कहते हैं कि बड़े मंगलवार के दिन भगवान राम और हनुमान जी की पहली मुलाकात हुई थी। तभी से इस दिन को अत्यंत शुभ माना जाता है। इस महीने के हर मंगलवार को बड़ा मंगल या शुभ मंगलवार मानकर हनुमान जी की विशेष पूजा होती है। इस मौके पर सभी हनुमान मंदिरों में उत्सव मनाया जाता है। ज्येष्ठ महीने में पड़ने वाले मंगलवार के दिन हनुमान मंदिरों के दर्शन के लिए जा सकते हैं। यह सभी मंदिर देश के प्रसिद्ध हनुमान मंदिरों में से एक हैं। वहीं हिंदू धर्म के अनुसार प्याज, लहसुन और नॉन वेज खाना तामसिक भोजन की श्रेणी में आते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह राक्षसों द्वारा खाए जाने वाले भोजन की कैटेगरी है। भगवान हनुमान या बालाजी ने इन चीजों को कभी नहीं खाया। और वो चाहते थे कि मंदिर में आने वाला कोई भी व्यक्ति उन्हें खाने से परहेज करें। इसलिए, आप जब भी किसी हनुमान मंदिर में दर्शन करने जा रहे हैं तो इन सभी बातों का विशेष ध्यान रखें।

लेटे हनुमान जी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में हनुमान का प्राचीन मंदिर है। यहां संगम किनारे हनुमान जी की प्रतिमा लेटी हुई अवस्था में है। 20 फीट लंबी हनुमान जी की मूर्ति हर साल पानी में डूब जाती है। माता जाता है कि गंगा जी हनुमान प्रतिमा को स्नान कराने के लिए उफान पर आती हैं। नदी का स्तर बढ़ना संकट माना जाता है लेकिन प्रयागराज में इसे शुभ माना जाता है।

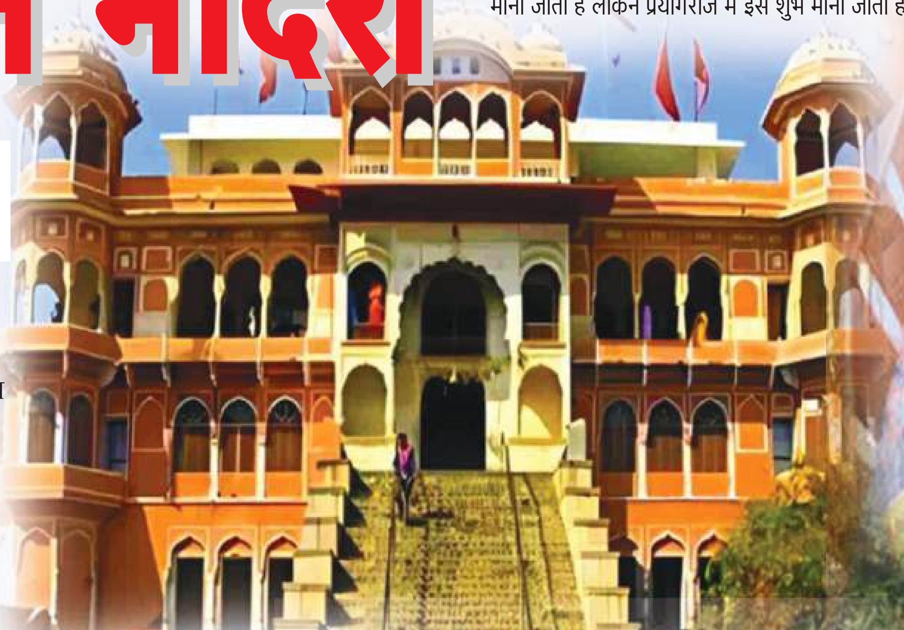

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर

मेहंदीपुर बालाजी के नाम से मशहूर हनुमान मंदिर चमत्कारी माना जाता है। जो हनुमान भक्तों के बीच तो काफी लोकप्रिय है ही, लेकिन जो लोग यहां की कुछ चीजों में विश्वास रखते हैं, उन्हें भी आप यहां काफी संख्या में देख सकते हैं। यह मंदिर राजस्थान में जयपुर से लगभग 65 किलोमीटर की दूरी पर जयपुर-बांदीकुई बस मार्ग पर मेहंदीपुर में स्थित है। मान्यता है कि मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में भूत प्रेत की बाधाओं को दूर किया जाता है। जो लोग भूत प्रेत या ऐसी किसी समस्या से पीड़ित होते हैं, उन्हें यहां लाया जाता है। अगर आप इस मंदिर के दर्शन करने के लिए जा रहे हैं, तो पहले यहां से जुड़ी उन जरूरी बातों के बारे में जान लें, जिनके करने से भगवान नराज हो सकते हैं।

बालाजी मंदिर

राजस्थान के चुरू जिले में सालासर गांव में हनुमान जी का सिद्ध प्राप्त मंदिर स्थित है। यह इकलौता मंदिर है जहां बजरंगबली की प्रतिमा दाढ़ी और मूंछ वाली है। यहां लोग अपने दुख दर्द लेकर आते हैं और खुश होकर जाते हैं। मान्यता है कि सालासर बालाजी मंदिर में मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

हनुमानगढ़ी

उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में प्रभु श्री राम की जन्मभूमि है। राम जन्मभूमि के निकट ही हनुमानगढ़ी नाम का भव्य मंदिर है। यह व्यापक रूप से लोकप्रिय मंदिर पूरे साल कई भक्तों द्वारा देखा जाता है, और हिंदुओं द्वारा बहुत पूजनीय है। यह मंदिर एक ऊंचे टीले पर स्थित है। मंदिर में प्रवेश के लिए 60 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। बिना हनुमानगढ़ी के दर्शन किए अयोध्या की यात्रा अधूरी मानी जाती है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में प्रभु श्री राम की जन्मभूमि है। राम जन्मभूमि के निकट ही हनुमानगढ़ी नाम का भव्य मंदिर है। यह मंदिर एक ऊंचे टीले पर स्थित है। मंदिर में प्रवेश के लिए 60 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। बिना हनुमानगढ़ी के दर्शन किए अयोध्या की यात्रा अधूरी मानी जाती है। किंवदंतियों के अनुसार, भगवान हनुमान यहां एक गुफा में रहते थे और रामकोट, या राम के जन्मस्थान की रक्षा करते थे।

हंसना मना है

फेंकू- पप्पू, जल्दी से टीवी चालू कर, 30 फीट का सांप दिखा रहे हैं, पप्पू- अरे फेंकू, नहीं देख सकते हम, फेंकू- क्यों? पप्पू- क्योंकि हमारा टीवी 21 इंच का है ना।

लड़की- परसों मैं तुम्हें राखी बांधने आयी थी, पर तुमने नहीं बंधवाई क्यूं? लड़का- अगर मैं तेरे लिए मंगलसूत्र लाऊं तो क्या बंधवायेगी, बात करती है।

बेटा- मुझे शादी नहीं करनी! मुझे सभी औरतों से डर लगता है! पिता- शादी कर ले बेटा! फिर एक ही औरत से डर लगेगा, बाकी सब अच्छी लगेंगी।

बंता- तेरे घर से हमेशा हसने कि आवाज आती है, इतनी खुशी का राज क्या है? संता- मेरी बीवी मुझे जूते मारती है, लग जाये तो वो हंसती है, नहीं लगे तो मैं हंसता हूं!

मैंने सुना है आप बहुत कमजोर हो गए हो, फिट रहने के लिए रोज 1 चम्मच खाया करो अंबुजा सिमेंट, क्योंकि इस सिमेंट में जान है!

पत्नी- शादी से पहले तुम मुझे होटल, सिनेमा, और न जाने कहां- कहां घुमाते थे, शादी हुई तो घर के बाहर भी नहीं ले जाते.. पति- क्या तुमने कभी किसी को.. चुनाव के बाद प्रचार करते देखा है।

कहानी | सुकर्म का फल सूद सहित मिलता है

इन्सान जैसा कर्म करता है, कुदरत या परमात्मा उसे वैसा ही उसे लौटा देता है। एक बार द्रोपदी सुबह तड़के स्नान करने यमुना घाट पर गयी भोर का समय था। तभी उसका ध्यान सहज ही एक साधु की ओर गया जिसके शरीर पर मात्र एक लंगोटी थी। साधु स्नान के पश्चात अपनी दुसरी लंगोटी लेने गया तो वो लंगोटी अचानक हवा के झोंके से उड़ पानी में चली गयी और बह गयी। संयोगवश साधु ने जो लंगोटी पहनी वो भी फटी हुई थी। साधु सोच में पड़ गया कि अब वह अपनी लाज कैसे बचाए। थोड़ी देर में सुर्योदय हो जाएगा और घाट पर भीड़ बढ़ जाएगी। साधु तेजी से पानी के बाहर आया और झाड़ी में छिप गया। द्रोपदी यह सारा दृश्य देख अपनी साड़ी जो पहन रखी थी, उसमें आधी फाड़ कर उस साधु के पास गयी और उसे आधी साड़ी देते हुए बोली- तात मैं आपकी परेशानी समझ गयी। इस वस्त्र से अपनी लाज ढक लीजिए। साधु ने सकुचाते हुए साड़ी का टुकड़ा ले लिया और आशीष दिया। जिस तरह आज तुमने मेरी लाज बचायी उसी तरह एक दिन भगवान तुम्हारी लाज बचाएंगे। और जब भरी सभा में चीरहरण के समय द्रोपदी की करुण पुकार नारद ने भगवान तक पहुंचायी तो भगवान ने कहा- कर्मों के बदले मेरी कृपा बरसती है, क्या कोई पुण्य है द्रोपदी के खाते में। जांचा परखा गया तो उस दिन साधु को दिया वस्त्र दान हिसाब में मिला, जिसका ब्याज भी कई गुणा बढ़ गया था। जिसको चुकता करने भगवान पहुंच गये द्रोपदी की मदद करने, दुस्सासन चीर खींचता गया और हजारों गज कपड़ा बढ़ता गया। इंसान यदि सुकर्म करे तो उसका फल सूद सहित मिलता है, और दुष्कर्म करे तो सूद सहित भोगना पड़ता है।

7 अंतर खोजें

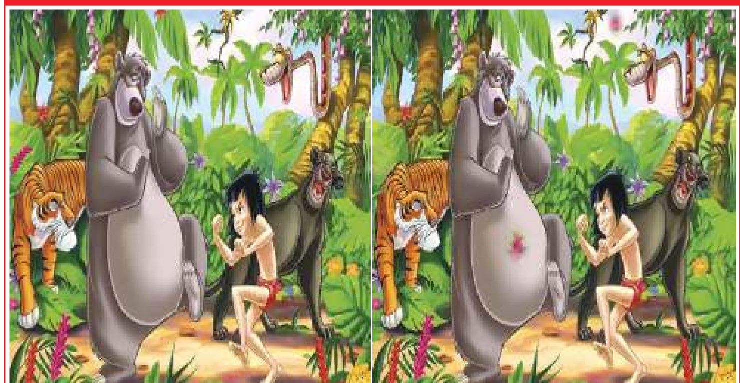

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी। जोखिम न लें। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें।

वृषभ
व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मिथुन
दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी।

कर्क
व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह
स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा। कार्यकुशलता कम होगी।

कन्या
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला
सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक
तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु
भागदौड़ होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। लाभ के लिए प्रयास करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। पार्टनरों से कहासुनी हो सकती है।

मकर
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा।

कुम्भ
भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। आशंका व कुशंका रहेगी।

मीन
यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

हालीवुड | मन की बात

जब मैं पहली बार रणवीर सिंह से मिली तो पूरी तरह स्टारस्ट्रक हो गई थी : रकुल प्रीत सिंह

रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपने करियर के शुरुआती दिनों का एक बेहद खास किस्सा शेयर किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार अपने फेवरेट स्टार से मुलाकात की थी, तब वह पूरी तरह स्टारस्ट्रक हो गई थीं। हाल ही में एक इंटरव्यू में इस किस्से को याद करते हुए रकुल ने कहा, 'मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं। मैंने 'बैंड बाजा बारात' देखी थी और वह 'यारियां' फिल्म से थोड़ी पहले आई थी। हम लोग एक अवॉर्ड फंक्शन में थे और पूरी कास्ट परफॉर्म करने वाली थी। बैकस्टेज रणवीर भी थे और मैं उनसे पहले कभी नहीं मिली थी। लेकिन जैसे ही मुझे पता चला कि रणवीर वहां हैं और शो होस्ट कर रहे हैं, मैं बहुत एक्साइटेड हो गई। उन्होंने आगे कहा, 'सबको पता था कि रणवीर मेरे फेवरेट हैं। मैंने सबको कहा था कि आज मुझे रणवीर से मिलना है और उनके साथ फोटो भी लेनी है। हम बैकस्टेज खड़े थे तभी पीछे से एक हाथ आया और उन्होंने कहा, 'रकुल?' और मैं बस 'या या या' कहती रह गई। उसके बाद मैं अपनी वैनिटी वैन में गई और खुशी से उछलने लगी। मैं सोच रही थी, ओएमजी, मैं रणवीर से मिल ली। बाद में मैंने उन्हें यह बात बताई भी और हम दोनों इसपर खूब हंसे। लेकिन वह मेरा पहला और शायद आखिरी स्टारस्ट्रक मोमेंट था।'बता दें कि रकुल प्रीत सिंह फिलहाल पति पत्नी और वो दो फिल्म में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ आयुष्मान खुराना, सारा अली खान और वामिका गब्बी भी अहम किरदार में हैं। फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।

रेड कार्पेट पर नीले गाउन में बला की खूबसूरत दिखीं ऐश्वर्या राय

ऐश्वर्या राय कान फिल्म फेस्टिवल 2026 में काफी इंतजार के बाद आखिरकार पहुंच गई हैं। कान महोत्सव 12 मई से जारी है। तभी से उनका इस फेस्टिवल में आने का इंतजार किया जा रहा था। इससे पहले भारत से आलिया भट्ट, हुमा कुरैशी और डायना पेंटी जैसी कई अभिनेत्रियों ने कान में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। ऐश्वर्या राय नीले रंग के बेहतरीन गाउन में कान महोत्सव में पहुंचीं। उनकी ड्रेस में खास तरह से रिंकल पड़े हैं, इस गाउन में वह जलपरी जैसी लग रही हैं। गाउन के साथ उन्होंने एक दुपट्टा लिया है जो, उनके दोनों हाथों में लिपटा है और जमीन तक लटक रहा है। ऐश्वर्या राय ने अपने दोनों हाथों में अंगूठी पहनी है। उनके गले का हार उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। उन्होंने हल्के मेकअप के साथ अपने बाल खुले छोड़े हैं। रेड कार्पेट पर ऐश्वर्या मुस्कुराते हुए नजर आईं।

ऐश्वर्या राय के गाउन को डिजाइनर मोहित रॉय ने डिजाइन किया है। उनकी तस्वीरों पर कई यूजर्स ने कमेंट किया है। एक यूजर ने उन्हें रानी बताया है। एक और यूजर ने लिखा झुक कर सलाम करो। कान की शान आ गई है। एक और यूजर ने लिखा ऐश्वर्या के बिना कान अधूरा है। एक और यूजर ने लिखा कान का सफर अब पूरा हुआ।

कान फिल्म फेस्टिवल 2026

आपको बता दें कि ऐश्वर्या राय बच्चन साल 2002 से कान फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा रही हैं। हर बार वह अपने लुक से लोगों को हैरान कर देती हैं। इस बार वह थोड़ा लेट पहुंची हैं। बताया जाता है कि वह निजी कारणों से कान में देर से पहुंची हैं।

आपको बता दें कि कान फिल्म फेस्टिवल फ्रांस के शहर कान में हो रहा है। यहां दुनियाभर की कई फिल्मी हस्तियां यहां पहुंचती हैं। इसी कड़ी में भारत से भी कई अभिनेत्रियों ने इसमें हिस्सा लिया है। समारोह का समापन आज होने वाला है। ऐश्वर्या इसके समापन समारोह से एक दिन पहले पहुंची हैं।

अब 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश की फिल्म रफ्तार

राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश की फिल्म रफ्तार के निर्माताओं ने इसकी नई रिलीज डेट की घोषणा की है। रफ्तार की नई रिलीज डेट की घोषणा करते हुए राजकुमार राव ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, सपने को सच करने में समय लगता है। रफ्तार सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि सिनेमा की दुनिया में हमारा पहला कदम है। फिल्म रफ्तार अब इस साल दशहरा के लंबे वीकेंड पर 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राजकुमार राव की फिल्म रफ्तार भारत के तेजी से बढ़ते एड-टेक उद्योग यानी ऑनलाइन पढ़ाई कराने वाले स्टार्टअप बिजनेस की दुनिया पर आधारित है। कहानी एक ऐसे पुरुष और महिला की है जो सफलता पाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे बड़ी महत्वाकांक्षा, पैसा और सत्ता की भूख इंसान के रिश्तों, प्यार और ईमानदारी को प्रभावित करती है, और सही-गलत का फर्क मिटा देती है। रफ्तार में राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इन दोनों के अलावा अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे।

अजब-गजब | ये है भारत की सबसे आलीशान ट्रेन

इस ट्रेन के अंदर मिलती है फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाएं एक टिकट की कीमत में खरीद सकते हैं लग्जरी कार

भारत में जब भी लग्जरी ट्रेनों की चर्चा होती है, तो लोगों के दिमाग में सबसे पहले वंदे भारत, राजधानी या शताब्दी एक्सप्रेस का नाम आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारतीय रेलवे के पास एक ऐसी ट्रेन भी है, जिसके सामने फाइव स्टार होटल की चमक भी फीकी पड़ जाती है? यह कोई साधारण ट्रेन नहीं, बल्कि चलता-फिरता शाही महल है, जहां सफर करने वाला हर यात्री खुद को किसी राजा-महाराजा से कम महसूस नहीं करता। हम बात कर रहे हैं महाराजा एक्सप्रेस की, जिसे भारत की सबसे महंगी और सबसे प्रीमियम ट्रेन माना जाता है। इस ट्रेन में कदम रखते ही रॉयल इंटीरियर, आलीशान कमरे, शानदार खाना और लग्जरी सर्विस देखकर ऐसा लगता है मानो आप किसी महल में पहुंच गए हों। यहां यात्रियों को सिर्फ सफर नहीं, बल्कि शाही जिंदगी जीने का अनुभव मिलता है। यही वजह है कि दुनिया भर के लोग एक बार इस ट्रेन में सफर करने का सपना देखते हैं।

महाराजा एक्सप्रेस को इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट) चलाता है। इस ट्रेन का हर डिब्बा बेहद खास तरीके से डिजाइन किया गया है। अंदर कदम रखते ही ऐसा लगता है जैसे किसी राजा-महाराजा के महल में पहुंच गए हों। ट्रेन में

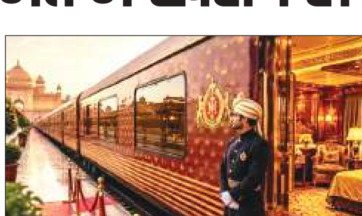

आलीशान कमरे, शानदार सुइट और बेहद लग्जरी प्रेसिडेंशियल सुइट मौजूद हैं। इसके इंटीरियर में महंगी सजावट, खूबसूरत कालीन, मखमली बिस्तर और राजसी डिजाइन देखने को मिलते हैं। महाराजा एक्सप्रेस में यात्रियों के खाने-पीने का भी खास ध्यान रखा जाता है। ट्रेन में 'मयूर महल'और 'रंग महल' नाम के दो शानदार रेस्टोरेंट हैं, जहां भारतीय और विदेशी खाने परोसे जाते हैं। यात्रियों को हाई-क्लास बार, लाउंज और क्लब जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं। हर केबिन के साथ पर्सनल बटलर यानी प्राइवेट सेवक दिया जाता है, जो सफर के दौरान हर जरूरत चीजों का ध्यान रखता है।

अब बात करते हैं उस चीज की, जिसने इस ट्रेन को सबसे ज्यादा चर्चा में रखा है और लोगों का ध्यान खीच रहा है। महाराजा एक्सप्रेस अलग-अलग टूर पैकेज ऑफर करती है, जिनकी अवधि करीब 4 से 7 दिनों तक होती है। डीलक्स केबिन का किराया लगभग 7 से 8 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। सुइट बुक करने पर करीब 13 लाख रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं। वहीं प्रेसिडेंशियल सुइट का किराया लगभग 23 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। यानी इस ट्रेन के एक टिकट की कीमत में आप SUV कार खरीद सकते हैं या किसी बड़े शहर में घर का डाउन पेमेंट कर सकते हैं। इस भारी-भरकम किराये में सिर्फ ट्रेन का सफर शामिल नहीं होता। यात्रियों को फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। इसमें शानदार खाना, महंगी ड्रिंक्स, लग्जरी गाड़ियां, शहरों की वीआईपी विजिट, स्मारकों की एंट्री, स्पा, लांड्री और पर्सनल सर्विस जैसी कई सुविधाएं शामिल रहती हैं। महाराजा एक्सप्रेस सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में अपनी शाही सुविधाओं के लिए मशहूर है। इसे कई बार दुनिया की सबसे लग्जरी ट्रेनों की सूची में शामिल किया जा चुका है। जो लोग जिंदगी में एक बार राजाओं जैसी जिंदगी जीना चाहते हैं, उनके लिए यह ट्रेन किसी सपने से कम नहीं मानी जाती। इस ट्रेन का आनंद लेने विदेशों से भी लोग भारी मात्रा में आते हैं।

भारत का इकलौता एयरपोर्ट, जहां से दुनिया के हर कोने के लिए मिलती है फ्लाइट

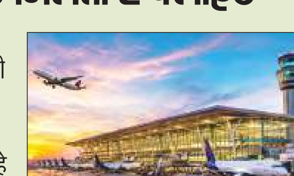

भारत तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और इसका असर देश के एयरपोर्ट्स पर भी साफ दिखाई देता है। पहले जहां कुछ बड़े शहरों तक ही हवाई सेवाएं सीमित थीं, वहीं अब छोटे शहरों में भी एयरपोर्ट बनाए जा रहे हैं। सरकार की उड़ान योजना और आधुनिक तकनीक की मदद से देश का एविएशन सेक्टर दिन-प्रतिदिन मजबूत हो रहा है। आज भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में गिना जाता है। भारत में करीब 164 से 165 एयरपोर्ट ऑपरेशनल हैं, यह किसी भी एक देश में एयरपोर्ट की बहुत बड़ी संख्या है। जिनमें इंटरनेशनल, डोमेस्टिक और छोटे क्षेत्रीय एयरपोर्ट शामिल हैं। हर साल करोड़ों यात्री इन एयरपोर्टस से सफर करते हैं। लेकिन इन सभी के बीच एक ऐसा एयरपोर्ट भी है, जिसने अपनी खास उपलब्धि की वजह से अलग पहचान बना ली है। यह एयरपोर्ट ऐसा है, जहां से दुनिया के लगभग हर बड़े हिस्से के लिए फ्लाइट मिल जाती है। हम बात कर रहे हैं दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे यानी IGI Airport की। यह भारत का सबसे बड़ा और सबसे व्यस्त एयरपोर्ट भी माना जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली एयरपोर्ट से दुनिया भर के करीब 150 जगहों के लिए उड़ानें उपलब्ध हैं। हाल ही में बैंकॉक-डॉन मुआंग के लिए शुरू हुई नई फ्लाइट के बाद दिल्ली एयरपोर्ट ने यह खास उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही यह भारत का पहला ऐसा एयरपोर्ट बन गया, जो दुनिया के 150 स्थानों से सीधा जुड़ चुका है। दिल्ली एयरपोर्ट सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट्स में भी गिना जाता है। यहां हर दिन हजारों फ्लाइट्स का संचालन होता है और लाखों यात्री सफर करते हैं। दिल्ली एयरपोर्ट को दुनिया का नौवां सबसे व्यस्त एयरपोर्ट भी माना जाता है। यहां आने वाले यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं का खास ध्यान रखा गया है। एयरपोर्ट पर बड़े टर्मिनल, आरामदायक लाउंज, हाईटेक सिक्योरिटी सिस्टम, शॉपिंग एरिया और फूड कोर्ट जैसी कई सुविधाएं मौजूद हैं। दिल्ली एयरपोर्ट को लगातार कई सालों तक भारत और दक्षिण एशिया का सर्वश्रेष्ठ एयरपोर्ट चुना जा चुका है। एयरपोर्ट सेवा और सुविधाओं का मूल्यांकन करने वाली संस्था स्काईट्रैक्स ने भी इसे कई बार सम्मानित किया है। यह एयरपोर्ट विदेशी यात्रियों के लिए एक बड़े ट्रांजिट हब के रूप में भी काम करता है।

नीट री-एग्जाम के छात्रों की बस यात्रा मुफ्त की जाए : केजरीवाल

आप संयोजक ने सभी मुख्यमंत्रियों से की अपील

» पंजाब की मान सरकार ने किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी राज्यों से 21 जून को होने वाली नीट री-एग्जाम के छात्रों के लिए बस यात्रा मुफ्त करने की अपील की है। पंजाब के बाद हरियाणा और बिहार सरकारों ने भी छात्रों को यह सुविधा देने का ऐलान कर दिया है, जिसकी केजरीवाल ने सराहना की। अरविंद केजरीवाल ने देश के सभी मुख्यमंत्रियों से एक खास अपील की है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों समेत अन्य सभी प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से कहा है कि वे अपने-अपने राज्यों में नीट की परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए सरकारी बस सेवा को पूरी तरह मुफ्त कर दें।

इससे पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की थी कि नीट देने वाले छात्रों को बस किराए में पूरी राहत दी जाएगी। केजरीवाल और भगवंत मान ने एक वीडियो शेयर कर यह जानकारी दी थी। पंजाब सरकार के इस फैसले के बाद अब हरियाणा और बिहार के मुख्यमंत्रियों ने भी अपने राज्यों में छात्रों के लिए मुफ्त बस सेवा का ऐलान कर दिया है।

एनजीओ और सामाजिक संस्थाओं से मदद की मांग

बिहार के मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन, राज्य के सभी मठ-मंदिरों और गैर-सरकारी संगठनों से भी एक खास अपील की है। उन्होंने कहा है कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य मुख्य जगहों पर परीक्षा देने वाले छात्रों और उनके माता-पिता के लिए पीने के पानी और सत्तू आदि के खाने-पीने की व्यवस्था में सहयोग करें। उन्होंने सभी छात्रों को परीक्षा के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

आप सुप्रीमो ने सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो

अरविंद केजरीवाल ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर करीब एक मिनट का एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने सभी मुख्यमंत्रियों से हाथ जोड़कर अपील करते हुए कहा, सभी मुख्यमंत्रियों से मेरी प्रार्थना है कि कृपया 21 जून को नीट की दोबारा परीक्षा देने वाले सभी छात्रों के लिए बस यात्रा पूरी तरह मुफ्त कर दें।

केजरीवाल ने की बिहार और हरियाणा सरकार की तारीफ

केजरीवाल ने वीडियो में आगे कहा,मुझे यह देखकर बेहद खुशी हुई कि बिहार और हरियाणा ने इस मामले में पंजाब सरकार की राह अपनाई है। मुझे उम्मीद है कि बाकी राज्यों के मुख्यमंत्री भी ऐसा ही कदम उठाएंगे। बता दें कि नीट परीक्षा को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा कि परीक्षा में शामिल होने वाले सभी छात्रों की सुविधा के लिए बिहार की सभी सरकारी बसों में सफर पूरी तरह मुफ्त रहेगा।

समस्याओं से ध्यान हटाकर सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी में व्यस्त है भाजपा : जूली

» नेता प्रतिपक्ष ने कहा- राजस्थान की कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा नेता लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयानों पर प्रतिक्रिया देने में लगे रहते हैं लेकिन प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था, नीट पेपर लीक और बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों पर पूरी तरह मौन हैं। पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। जूली ने कहा कि पांच राज्यों के चुनाव खत्म होते ही जनता पर महंगाई का बोझ डाल दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम लोगों की समस्याओं से ध्यान हटाकर सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी में व्यस्त है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी जूली ने भाजपा सरकार को घेरा।

उन्होंने एनसीआरबी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान देश में शीर्ष पर पहुंच चुका है। उनके अनुसार महिलाओं और बच्चियों को प्रदेश में असुरक्षा का माहौल झेलना पड़ रहा है। नीट पेपर लीक मामले को लेकर भी उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। जूली ने कहा कि बार-बार पेपर लीक होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने सीकर निवासी दिवंगत छात्र प्रदीप मेघवाल का जिक्र करते हुए कहा कि परीक्षा घोटालों और मानसिक तनाव के कारण एक होनहार छात्र ने जान गंवा दी लेकिन सरकार की ओर से संवेदना तक व्यक्त नहीं की गई।

दिल्ली कैपिटल्स ने जीत के साथ समाप्त किया सफर

» आईपीएल लीग चरण खत्म, कोलकाता को डीसी ने अंतिम मैच में 40 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। दिल्ली कैपिटल्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 40 रनों से हरा दिया। रविवार को ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली ने केएल राहुल की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में केकेआर 18.4 ओवर में सिर्फ 163 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई।

उनके लिए कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सर्वाधिक 63 रनों की पारी खेली। इसी के साथ आईपीएल 2026 का लीग चरण समाप्त हो गया। प्लेऑफ की चारों टीमें तय हो चुकी हैं। आरसीबी, गुजरात, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने में सफल रहीं। तालिका में शीर्ष-दो स्थानों पर रहने वाली आरसीबी और गुजरात के बीच 26 मई को धर्मशाला में पहला क्वालिफायर मुकाबला खेला जाएगा। वहीं, 27 मई को मल्लांपुर में हैदराबाद और राजस्थान के बीच एलिमिनेटर मैच खेला जाएगा। क्वालिफायर-1 जीतने वाली टीम सीधे फाइनल के लिए क्वालिफाई करेगी, जबकि हारने वाली टीम एलिमिनेटर की विजेता से क्वालिफायर-2 में भिड़ेगी। इस सीजन दिल्ली का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। 14 में से सात मैच जीतकर टीम 14 अंक और -0.651 के नेट रन रेट के साथ छठे पायदान पर रही। वहीं, केकेआर को छह मुकाबलों में जीत मिली जबकि सात मैचों में हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा एक मैच उनका बारिश के कारण रद्द रहा। केकेआर 13 अंक और -0.147 के नेट रन रेट के साथ तालिका में सातवें स्थान पर रही।

राजस्थान 7वीं बार प्लेऑफ में, हैदराबाद से होगा सामना

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में जगह बना ली है। राजस्थान ने ग्रूप चरण के अपने आखिरी मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 30 रन से हराया और इसके साथ ही वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई है। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 205 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 175 रन ही बना सकी। राजस्थान की जीत ने पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के दरवाजे बंद कर दिए हैं। राजस्थान के 14 मैचों में आठ जीत और छह हार के साथ 16 अंक हो गए और वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बनी। प्लेऑफ की दौड़ से पहले से ही बाहर मुंबई इंडियन्स का अभियान नौवें स्थान पर खत्म हुआ। पंजाब के 14 मैचों में सात जीत, छह हार और एक बेनजीता के साथ 15 अंक ही रहे और वह प्लेऑफ में जाने से चूक गई। पंजाब ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की थी और वह शुरुआती सात मैचों में अजेय भी थी, लेकिन दूसरे चरण में टीम की लय बिगड़ गई। केकेआर को भी उम्मीद थी, लेकिन राजस्थान की जीत ने पंजाब और केकेआर दोनों टीमों की उम्मीद खत्म कर दी।

नगर निगम में जमे बाबुओं पर चलेगा तबादले का डंडा

» नगर आयुक्त गौरव कुमार पर मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति लागू करने का दबाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार लगातार जीरो टॉलरेंस नीति की बात कर रही है, लेकिन राजधानी के नगर निगम में वर्षों से एक ही विभागों खास तौर से लेखा विभाग में जमे बाबू और कर्मचारियों पर अब तक कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हो सकी है। अब तो सवाल उठ रहा है कि क्या नगर आयुक्त गौरव कुमार नगर निगम में फैले कथित भ्रष्टाचार और विभागीय गठजोड़ पर सख्त कदम उठा पाएंगे या फिर व्यवस्था पहले की तरह ही चलती रहेगी।

नगर निगम के कई विभागों में वर्षों से एक ही सीटों पर तैनात कर्मचारियों और बाबुओं को लेकर लगातार चर्चाएं होती रही हैं। आरोप लगते रहे हैं कि लंबे समय से एक ही जगह जमे रहने के कारण विभागों में फाइलों के निस्तारण से लेकर ठेके, टैक्स, सफाई व्यवस्था और निर्माण कार्यों तक में मनमानी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। सूत्रों की मानें तो नगर निगम के कई अनुभागों में ऐसे कर्मचारी मौजूद हैं जिनका वर्षों से तबादला तक नहीं हुआ। इससे विभागीय पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं आम जनता और पार्षदों के बीच भी यह चर्चा तेज है कि अगर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को सही मायनों में लागू करना है तो सबसे पहले लंबे समय से जमे कर्मचारियों और बाबुओं के तबादले जरूरी हैं। नगर आयुक्त गौरव कुमार के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती नगर निगम की कार्यप्रणाली को पारदर्शी बनाना और विभागों में जमे कथित भ्रष्ट तंत्र पर कार्रवाई करना माना जा रहा है।

कांग्रेस जोंक की तरह : उदयनिधि

» डीएमके नेता बोले- कांग्रेस नेताओं में बुनियादी अहसानमंदी और शिष्टाचार की कमी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में डीएमके नेता और युवा विंग के सचिव उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। यह विवाद तब शुरू हुआ, जब कांग्रेस ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार को अपना समर्थन दे दिया। उदयनिधि ने कहा कि डीएमके को कांग्रेस पर दोबारा कभी भरोसा नहीं करना चाहिए।

डीएमके की बैठक के दौरान कुछ प्रस्ताव भी पास किए गए, जिनमें कांग्रेस को पीठ में छुरा घोंपने वाला और सहयोगियों की मेहनत पर पलने वाला जोंक कहा गया। इसके साथ ही, उदयनिधि ने अपनी पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे नए और पहली बार वोट देने वाले युवाओं के बीच जाकर उन्हें राजनीति के प्रति जागरूक करें। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके कार्यकर्ताओं की मेहनत और एमके स्टालिन के नेतृत्व की वजह से सीटें जीतने के बावजूद, कांग्रेस नेताओं में बुनियादी अहसानमंदी और शिष्टाचार की कमी है।

जिम खाना क्लब खाली करने के आदेश पर भड़कीं किरन बेदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली के लुटियंस इलाके में स्थित ऐतिहासिक जिमखाना क्लब के परिसर खाली करने का निर्देश दिया है। इस फैसले के बाद क्लब की सदस्यता और इससे जुड़े विवादों पर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है।

किरण बेदी ने एक पोस्ट में लिखा, यह बहुत बुरा और दुखद है। मुझे उम्मीद है कि इस प्रस्ताव पर दोबारा विचार किया जाएगा। बेदी ने क्लब की पुरानी यादों को ताजा करते हुए स्वर्गीय अरुण जेटली को भी याद किया।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने से आगबबूला हुए राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष बोले- चुपके चुपके आमजन की जेब काट रही है मोदी सरकार

» ईंधन के दाम की बढ़ोत्तरी पर विपक्ष का प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में बढ़ी पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भड़क गए। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम किश्तों में बढ़ाते हैं ताकि चुपके-चुपके आपकी जेब कटती रहे। राहुल गांधी ने पीएम मोदी को महंगाई मैन बताते हुए कहा लिखा, महंगाई मानव मोदी का फिर से हमला।

पेट्रोल-डीजल के दाम किश्तों में बढ़ाते हैं- ताकि चुपके-चुपके आपकी जेब कटती रहे। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं महीनों से आर्थिक तूफान आने की बात कह रहा था। पर मोदी जी तब हमेशा की तरह चुनाव में व्यस्त थे और चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल 8 महंगा कर दिया उन्होंने कहा कि ये बढ़त होती ही जाएगी। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा कि महंगाई मानव मोदी का एक ही काम है- चुनाव में वादे और बाकी समय जनता की जेब पर वार।

12 वर्षों में 43 लाख करोड़ की लूट की

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 12 वर्षों में 43 लाख करोड़ की लूट की है यानी प्रतिदिन 1000 करोड़ की लूट, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चौथी बार बढ़ोतरी के साथ आज पेट्रों कंपनियों के शेयरों में वृद्धि दर्ज की गई। जनता से ऊपर मुनाफा, भाजपा का मूलमंत्र है। ईंधन की कीमतों में हर बढ़ोतरी परिवारों के बजट पर एक और चोट है और इसका अर्थव्यवस्था के हर पहलू पर व्यापक प्रभाव पड़ता है. किसानों से लेकर लघु एवं मध्यम उद्यमों तक, समाज का हर वर्ग भाजपा की लूट का खामियाजा भुगत रहा है. हम दोहराते हैं- इस दैनिक लूट से किसे फायदा हो रहा है?।

पेट्रोल की लूट का सिलसिला अभी खत्म नहीं हुआ : खरगे

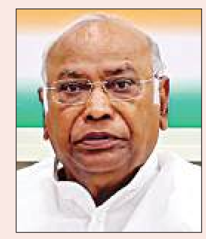

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि पेट्रोल की लूट का सिलसिला अभी खत्म नहीं हुआ है। 10 दिन में चौथी बार बढ़ोतरी, मोदी सरकार ने आम लोगों की बचत को जलाने के लिए पेट्रोल पर खूब पैसे लुटाए हैं। खरगे ने बताया कि 2004 से 2014 के बीच यूपीए सरकार के दौरान, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में 175.34प्रतिशत की वृद्धि हुई. मोदी सरकार के कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में एक पैसा भी नहीं बढ़ा है मोदी सरकार ने पेट्रोल की कीमत 14 में ? 71.41 प्रति लीटर से बढ़ाकर 26 में ?102.12 प्रति लीटर कर दी है, जो 43.01प्रतिशत की वृद्धि है और डीजल की कीमत 56.71 प्रति लीटर से बढ़ाकर 95.20 प्रति लीटर कर दी है, जो 67.87प्रतिश की वृद्धि है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ईंधन की कीमतों में वृद्धि को लेकर भाजपा सरकार पर किश्तों में लूट का आरोप लगाया है, जिसमें कहा गया है कि जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम थीं तब भी जनता को लाभ नहीं दिया गया। उन्होंने इटली और जर्मनी जैसे देशों का उदाहरण देते हुए सवाल उठाया कि मोदी सरकार वैश्विक संकट के दौरान नागरिकों को राहत क्यों नहीं दे रही है।

पीएम को आम लोगों की समस्याओं की चिंता नहीं : प्रशांत किशोर

मुजफ्फरपुर। प्रशांत किशोर ने बिहार के मुजफ्फरपुर दौरे के दौरान केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से परेशान है, लेकिन प्रधानमंत्री को आम लोगों की समस्याओं की चिंता नहीं है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, तो फिर आम आदमी गैस, पेट्रोल और जरूरी संसाधनों की बढ़ती कीमतों से क्यों जूझ रहा है।

अम्बेनाली घाट में गिरी स्कॉर्पियो सतारा के आठ युवकों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ और सतारा जिलों की सीमा पर स्थित खतरनाक अम्बेनाली घाट में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। महाबलेश्वर और पोलादपुर के बीच एक स्कॉर्पियो एसयूवी अनियंत्रित होकर करीब 500 से 700फीट गहरी खाई में गिर गई। इस दिल दहला देने वाली दुर्घटना में गाड़ी में सवार सभी 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब ये सभी लोग दापोली (कोंकण) से घूमकर वापस सतारा लौट रहे थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस, महाबलेश्वर के ट्रैकर्स और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंच गईं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि खाई की गहराई बहुत ज्यादा (500 से 700 फीट) होने और रात के घने अंधेरे के कारण बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आईं। रात के समय कड़ी मशक्कत के बाद दो शवों को बाहर निकाला जा सका था। हालांकि, सुबह की पहली किरण के साथ ही रेस्क्यू ऑपरेशन में तेजी लाई गई है और बाकी शवों को निकालने का काम युद्धस्तर पर जारी है। दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो गाड़ी सतारा जिले के आसगांव गांव की बताई जा रही है। मृतकों के नाम-अंश समीर चव्हाण, निवासी बोरगांव, तहसील चिपलून, जिला रत्नागिरी। रितेश राजेंद्र लोखंडे, निवासी आसगांव, तहसील सतारा, जिला सतारा।

सुहास जितेंद्र लोखंडे, निवासी आसगांव, तहसील सतारा, जिला सतारा। उत्कर्ष आनंद शिंगटे, उम्र निवासी मार्दे, तहसील सतारा, जिला सतारा, निखिल अभिमन्यु शिंगटे, उम्र 25, निवासी मार्दे, तहसील सतारा, जिला सतारा। महेश अनिल पवार, निवासी आसगांव, तहसील सतारा, जिला सतारा। आदित्य अशोक सालुंखे, निवासी आसगांव, तहसील सतारा, जिला सतारा। राजेश अशोक काटकर, निवासी खटाव, तहसील खटाव, जिला सतारा। यह ध्यान देने योग्य है कि अम्बेनाली घाट में अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं; रायगढ़ और सतारा जिलों की सीमा पर स्थित इस घाट को बहुत खतरनाक माना जाता है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि ये सभी लोग कोंकण या महाबलेश्वर घूमने आए होंगे। स्थानीय प्रशासन, ट्रैकर्स और बचाव दल घटनास्थल पर पहुँच गए हैं, लेकिन गहरी खाई और दुर्गम इलाका बचाव अभियान में कई मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। रात के अंधेरे में शवों की तलाश करने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हालाँकि, अब दिन निकलने के साथ ही बचाव अभियान में तेज़ी आने की संभावना है।

महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा को झटका

प्रदर्शन के एक मामले में दोषी करार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट से महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा को बड़ा झटका लगा है। जंतर-मंतर पर महिला आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन से जुड़े मामले मे राउज़ ऐवन्यू कोर्ट ने महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा को दोषी ठहराय।

5 जून को अलका लांबा की सजा पर राऊज एवेन्यू कोर्ट मे होगी बहस। जुलाई 24 मे महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा के नेतृत्व में महिला कांग्रेस ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया था। पिछ्ली सुनवाई में कोर्ट ने कांग्रेस नेता अलका लांबा के खिलाफ आपराधिक आरोप तय किया था। रॉउज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि अलका लांबा के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है।

पेपर लीक केस में सरकार से 'सुप्रीम' जवाब

» अदालत की फटकार- एनटीए ने अब तक सबक नहीं सीखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में घमासान लगातार जारी है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि यह दुखद है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पहले हुए नीट पेपर लीक से सबक नहीं सीखा है।

साथ ही शीर्ष अदालत ने केंद्र, एनटीए और सीबीआई से मेडिकल प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए परीक्षा एजेंसी की जगह एक मजबूत और स्वायत्त निकाय स्थापित करने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर जवाब मांगा है। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की पीठ ने निर्देश दिया कि याचिकाओं की प्रति अन्य पक्षों के अलावा सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को भी दी जाए। कोर्ट ने नीट परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार एनटीए को 2024 में अदालत की ओर से जारी निर्देशों के अनुपालन पर गुरुवार तक एक हलफनामा दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि यह दुखद है कि उन्होंने सबक नहीं सीखा है। यह मामला पहले भी इस अदालत में आया था। एक समिति, एक निगरानी समिति गठित की गई थी जिसने कुछ सिफारिशें की थीं और उन्हें स्वीकार कर लिया गया था।

कॉकरोच जनता पार्टी को भावुकता से न लें : सीजेआई

कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ रिट पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका पर भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा है कि इस मामले पर इतनी ज्यादा भावुक होने की जरूरत नहीं है। रविवार को ही सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत की एक मौखिक टिप्पणी के वाणिज्यिक इस्तेमाल के खिलाफ एक पीआईएल डाली गई है।

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच वाली टिप्पणी पर सीजेआई के स्पष्टीकरण के बावजूद न्यायपालिका को बदनाम करने के लिए तोड़-मरोड़कर पेश की गई दुर्भावनापूर्ण नैरेटिव लगातार फैलाई जा रही है। इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- इसे इतनी भावुकता से न लें।ञ्सीजेआई सूर्यकांत ने आगे कहा कि इतनी कोई गंभीर अर्जेंसी नहीं है और उचित समय पर सुप्रीम कोर्ट इसकी जांच करेगा।

ट्विशा शर्मा मौत मामले में मीडिया ट्रायल पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली। ट्विशा शर्मा की मौत मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि मीडिया इस केस को सनसनीखेज बनाने से बचें। मीडिया परिजनों का इंटरव्यू नहीं चलाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और इसका निष्पक्ष जांच जरूरी है। सच ये है कि लड़की की जान गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पीड़ित परिवार और आरोपी परिवार दोनों के परिवार वालों से अपील करते हैं कि वे सार्वजनिक रूप से या मीडिया के सामने बयान देने के बजाय जांच एजेंसी के समक्ष अपना पक्ष दर्ज कराएं ताकि चल जांच पर किसी तरह का कोई प्रभाव न पड़े।

जांच सीबीआई अपने हाथ में लेगी

सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट को भरोसा देते हुए कहा कि ट्विशा केस की जांच आज ही सीबीआई अपने हाथ में लेगी। इस बीच ट्विशा परिवार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने एफआईआर दर्ज करने में देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने जांच प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए।

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों पर एनजीओ की याचिका सुनने से किया इनकार

» अदालत ने एनजीओ को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट जाने की सलाह दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों पर फैसले में बदलाव करने से इनकार कर दिया है। फैसले पर स्पष्टीकरण के लिए दाखिल अर्जी पर सुनवाई से इनकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट जा सकते हैं. सुप्रीम कोर्ट में यह अर्जी एनजीओ एनीमल आर पीपल टू की ओर से दायर की गई थी, जिसमें अदालत से यह स्पष्ट करने की मांग की गई थी कि हाल ही में दिए गए उसके आदेश को आवारा कुत्तों की अंधाधुंध हत्या की अनुमति के रूप में न समझा जाए। यह मामला जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता की पीठ के सामने आया था। अदालत ने एनजीओ के वकील से कहा कि वह इस मुद्दे को संबंधित हाई कोर्ट, विशेष रूप से पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के समक्ष उठाए। एनजीओ की ओर से वकील अनिल कुमार मिश्रा ने अदालत में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 19 मई के आदेश का गलत अर्थ निकाला जा रहा है. उन्होंने पंजाब के ष्टरूभगवंत मान के उस सार्वजनिक बयान का उल्लेख किया, जिसमें कथित तौर पर आवारा कुत्तों को खत्म करने की बात कही गई थी. साथ ही खालसा कॉलेज से कुत्तों को हटाने की मीडिया रिपोर्टों का भी हवाला दिया गया।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**